भाजपा का मिशन-2023 विस्तारकों के भरोसे

दो चरणों में 200 विधानसभा सीटों पर लगाएंगे विस्तारक

जयपुर। प्रदेश भाजपा 2023 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक्टिव मोड में आ गई है। इसके लिए अभी से तैयारियो शुरु कर दी है। इसके लिए भाजपा ने फिलहाल करीब 100 विधानसभा सीटों में पर विस्तारक लगाए है। ये विस्तारक बहुत बारीकी से पार्टी के लिए फुल टाइम काम करेंगे। ये विस्तारक 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव तक लगातर फील्ड में एक्टिव रहेंगे। ये ग्रांउड सर्वे और जिताऊ उम्मीदवारों पर भी फीडबैक पार्टी तक पहुंचाएंगे। हाल ही मे जालोर के नन्दगांव में इन विस्तारकों का ट्रेनिंग कैम्प लगाया गया है। संगठन को मजबूत करने, जनाधार बढ़ाने और नेताओं-कार्यकर्ताओं से कॉर्डिनेशन का जिम्मा भी विस्तारकों के पास रहेगा। इन विस्तारकों के लिए भाजपा प्रदेश संगठन ने सभी जिला अध्यक्षों के जरिए पार्टी के एक्टिव कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को विस्तारक पद के लिए सलेक्ट किए जा रहे हैं।

फिलहाल करीब 100 विस्तारक पार्टी ने लगाए है और इन विस्तारकों ने फील्ड में उतरकर अपना काम भी शुरु कर दिया है। भाजपा की ओर से शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म दोनों तरह के विस्तारक लगाए जाएंगे। इसके साथ ही पार्टी की ओर से किसी भी विस्तारक

- **पहले चरण में कमजोर सीटों पर लगाए 100 विस्तारक**

को अपने विधानसभा क्षेत्र में नहीं लगाया जाएगा। उसे दूसरे विधानसभा क्षेत्र का जिम्मा सौंपा जाएगा। ये सभी बूथ कमेटियों, मंडल, शक्ति केंद्र, पन्ना प्रमुख, विधायक, सांसद सभी लेवल पर पार्टी नेताओं के टच में रहकर काम करेंगे। विधानसभा और लोकसभा सीट के तमाम समीकरण इकट्ठा करेंगे। मेन टास्क यह है कि जिन घरों या परिवारों से भाजपा को वोट नहीं मिलते हैं,उन्हें ट्रेस आउट किया जाएगा। लोगों के बीच मेल-जोल बढ़ाकर, उनसे समझाइश कर भाजपा के पक्ष में वोट कास्ट करने के लिए मोटिवेट किया जाएगा। रेग्युलरली ऐसे लोगों से सम्पर्क, उनके हाल-चाल जानने और व्यवहार बनाने का काम भी विस्तारक करेंगे। विधानसभा के बाद मण्डल लेवल पर भी विस्तारक लगाने का विजन है। मण्डल लेवल पर भी दूसरे क्षेत्र के ही कार्यकर्ता को लगाया जाएगा।

भाजपा प्रदेश मंत्री और विस्तारक प्रोग्राम कॉर्डिनेटर विजेन्द्र पूनिया ने बताया भाजपा ने पहले चरण में 100 विस्तारक लगाए हैं, जिन्होंने फिल्ड में उतरकर अपना शुरु कर दिया है। वहीं दूसरे चरण में सितम्बर अक्टूबर में 100 विस्तारक और लगाए जाएंगे। पिछले दिनों राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सशक्त मंडल, सक्रिय बूथ समिति, पन्ना प्रमुख नियुक्ति अभियान और मिशन-2023 का आह्वान किया था। हमारे 200 विस्तारक इस ट्रेनिंग में हिस्सा लेंगे। राजस्थान में 21 सदस्यों की बूथ समितियां बनाने का काम पूरा हो गया है। जिसमें हर मेम्बर की फोटो शामिल है। साथ ही पन्ना प्रमुख नियुक्ति अभियान तेजी से चल रहा है। सभी 52 हजार बूथों पर समितियां और पन्ना प्रमुख का काम पूरा होने के साथ विस्तारकों के जरिए बूथ मैनेजमेंट किया जाएगा। मिशन 2023 विधानसभा और मिशन 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा का काम कैसे मजबूत हो, इसे लेकर विस्तारक लगाए जा रहे हैं।

विस्तारक लगाने के लिए ऐसे नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो पार्टी के लिए लम्बे वक्त से सेवाएं देते आ रहे हैं। आगे समय देने को तैयार हैं। सक्रिय कार्यकर्ता हैं। इलाके में लोगों के बीच अच्छी छवि और पकड़ है। पूर्व जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, मोर्चों के नेता, जिले से जुड़े पदाधिकारियों, पूर्व में जिला प्रमुख, उप प्रमुख, मेयर, डिप्टी मेयर, पार्षदों को यह जिम्मेदारी दी जाएगी।

वही विस्तारक अपने-अपने जिम्मे वाले विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की मौजूदा स्थिति, स्थानीय जनप्रतिनिधियों का जनता से मिला फीडबैक, जो दूसरी पार्टियों के वोटर्स हैं, वो क्यों भाजपा से अब तक नहीं जुड़े। पार्टी चुनाव में उतरती है तो क्या स्थिति रहेगी। संभावित उम्मीदवारों और नए चेहरों को लेकर भी जनता का मन टटोलने का काम विस्तारक करेंगे। इन तमाम पॉइंट्स की एक सीक्रेट रिपोर्ट तैयार कर भाजपा प्रदेश नेतृत्व को सौंपी जाएगी। उसके आधार पर पार्टी क्षेत्र के लिए स्पेसिफिक रणनीति तैयार करेगी। विस्तारक केंद्र की मोदी सरकार की जनकल्याण की स्कीम्स, उपलब्धियों को भी लोगों को बताएंगे। ताकि मोदी फेस पर लोग बीजेपी को वोट देने को तैयार हों सकें।

गौरतलब है कि भाजपा ने राजस्थान में 2018 विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी विस्तारकों की नियुक्तियां की थीं। तब 197 विस्तारक तब लगाए गए थे। उन्हें कुल 101 बाइक दी गई थीं। ट्रेनिंग देकर फील्ड में भेजा गया था। पार्टी ने ही विस्तारकों का खर्चा उठाया था।

बसों में माल ढुलाई के खिलाफ सुनवाई कल

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से प्रदेश में चलने वाली निजी बसों को माल ढुलाई का लाइसेंस देने का प्रावधान करने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई 24 अगस्त को तय की है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश मुस्कान खंडेलवाल की पीआईएल पर दिए।

जनहित याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने गत 27 जुलाई को एक नोटिफिकेशन जारी कर निजी यात्री बसों के लिए स्कीम जारी की है। इसके तहत यात्री बसें निर्धारित लाइसेंस लेकर माल की ढुलाई कर सकती हैं। याचिका में कहा गया कि ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड के तहत बस बॉडी की छत पर परिवहन करना नियमों के खिलाफ है। इसके अलावा छत पर माल रखने या यात्रियों को बैठाकर बस चलाना जानलेवा साबित हो सकता है। अब तक ऐसी बसों से कई घटनाएं हो चुकी हैं। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार करोड़ों रुपए कमाने के लिए लोगों की जान से खेल रही है। इसलिए इस नोटिफिकेशन को वापस लिया जाए।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, सेना कमांडर उत्तरी कमान और सभी रैंकों ने बहादुर हवलदार सत्यपाल को पूरे सैन्य सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी। सत्यपाल राजौरी सेक्टर में हुए आतंकी हमले के दौरान बहादुरी से लड़े और गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया था।

हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय की तीन अपीलों को खारिज किया

अदालत ने छात्रसंघ चुनाव में सिंगल बैंच के आदेश में दखल से इंकार किया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के 26 अगस्त हो होने वाले छात्रसंघ चुनाव में अपनी सिंगल बैंच के पूर्व आदेश में दखल देने से इन्कार किया है। सिंगल बैंच ने अपने आदेश में पीजी प्रवेश परीक्षा के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे छात्र नेताओं को भी चुनाव लड़ने की मंजूरी दी थी। एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस अनूप ढंड की खंडपीठ ने यह आदेश सोमवार को राजस्थान विश्वविद्यालय की तीन

- **सिंगल बैंच ने अपने आदेश में पीजी प्रवेश परीक्षा के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे छात्र नेताओं को भी चुनाव लड़ने की मंजूरी दी थी**

अपीलों को खारिज करते हुए दिए।

अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि एक ओर तो विश्वविद्यालय द्वितीय और तृतीय वर्ष के उन विद्यार्थियों को चुनाव की मंजूरी दे रहा है, जिनका परिणाम नहीं आया है। वहीं पीजी की प्रवेश परीक्षा दे चुके विद्यार्थियों को परिणाम नहीं आने का हवाला देकर चुनाव से रोका जा रहा है। आखिरकार विवि छात्र किसे मान रहा है।

अपील में विवि की ओर से एकलपीठ के आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि जो विद्यार्थी छात्रसंघ का सदस्य ही नहीं है, उसे चुनाव लड़ने की अनुमति कैसे दी जा सकती है। सिंडिकेट भी 13 अगस्त 2022 को आदेश जारी कर उन्हें अयोग्य ठहरा चुका है। चुनाव की नोटिफिकेशन जारी हो चुकी थी, इसलिए एकलपीठ को चुनाव प्रक्रिया में दखल नहीं देना चाहिए था। इसके अलावा प्रवेश परीक्षा में 17 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए हैं, लेकिन सीटें सिर्फ तीन हजार चार सौ ही हैं। ऐसे में सिर्फ प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के आधार पर ही चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से पांच चोरी के मोबाइल बरामद किए है। थानाधिकारी गयासुदीन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित जाविद उर्फ चुहा (26) मथुरा (यूपी) हाल शांति कॉलोनी ट्रांसपोर्ट नगर का रहने वाला है। आरोपित नशा करने का आदि है। वह राहगीरों की जेब से और पार्क और सुनसान क्षेत्रों में सो रहे लोगों के मोबाइल चुरा कर उन्हे बेच कर नशे की पूर्ति करता है।

सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों में सड़क है। पूरे जयपुर में सड़कों के यही हाल हैं। सीकर रोड, रोड नम्बर एक पर यही नजारा नजर आ रहा है।

प्रदेश में करोना से हो रही मौतों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी

राज्य में इस बीमारी से पिछले सात दिनों में 21 लोगों की मौत हो चुकी है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण से मरने वालों की संख्या भी अब तेजी से बढ़ने लगी है। राज्य में पिछले सात दिन में इस बीमारी से 21 मरीजों की मृत्यु हो चुकी है। सोमवार को भी राज्य में करोना से लगातार दूसरे दिन भी चार लोगों की मौत हुई है। वहीं इस बीच 425 नए संक्रमित मिले हैं।

प्रदेश में सोमवार को करोना से जयपुर में 3 और सवाई माधोपुर में 1 संक्रमित की मौत हुई है। राज्य में 16 से 22 अगस्त तक सात दिनों में 21 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। हालांकि, अब तक इस बीमारी से राज्य में 9614 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा मौतें जयपुर जिले में हुई है।

उधर पिछले चौबीस घंटों में प्रदेश के 26 जिलों में 425 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को इनकी संख्या 402 रही थी। राज्य में आज भी सर्वाधिक 195 नए संक्रमित जयपुर में

- **सोमवार को जयपुर में तीन और सवाई माधोपुर में एक संक्रमित की मृत्यु हुई है।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 425 नए संक्रमित मिले, इनमें सर्वाधिक 195 मरीज जयपुर में पाए गए हैं।**

मिले हैं। इसके अलावा भरतपुर में 27, जोधपुर में 25, अजमेर में 24, भीलवाड़ा में 18, उदयपुर में 16, राजसमंद में 15, प्रतापगढ़ व सिरोही में 12-12, बूंदी व चित्तौड़गढ़ में 11-11, नागौर, पाली व बीकानेर में 8-8, सवाई माधोपुर में 7, अलवर में 6, झुंझुनूं में 5, डूंगरपुर में 4, कोटा में 3, बांसवाड़ा, झालावाड़ व जैसलमेर में 2-2 तथा गंगानगर, हनुमानगढ़, जालोर और सीकर में एक-एक नया संक्रमित मिला है।

राज्य में सोमवार को भी रिकवरी में सुधार हुआ है। इस दौरान 741 मरीज ठीक हुए हैं। प्रदेश में नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 3924 रह गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 1480 मामले जयपुर जिले में हैं। इसके अलावा भरतपुर में 413, अलवर में 378 और उदयपुर में 215 लोगों का इलाज चल रहा हैं।

राजधानी जयपुर में रविवार को 36 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 41 नए मरीज सांगानेर में पाए गए हैं। इसके अलावा जगतपुरा में 22, मानसरोवर में 16, मालवीय नगर में 12, दुर्गापुरा में 9, झोटवाड़ा व सोड़ाला में 8-8, दूदू में 7, वैशाली नगर में 6, बस्सी में 5, बापू नगर व सी-स्कीम में 4-4, गांधी नगर व गर्जुर की थड़ी में 3-3, अजमेर रोड, बनीपार्क, सिविल लाइन, गोविंदगढ़, जवाहर नगर, जौहरी बाजार, मुरलीपुरा व निर्माण नगर में 2-2 तथा अम्बावाड़ी, बगरू, बजाज नगर, चांदी की टकसाल, चांदपोल, गोपालपुरा, जमवारामगढ़, झालाना डूंगरी, कोटपूतली, फागी, पुरानी बस्ती, शास्त्री नगर, सिरसी रोड, सुभाष चौक, विद्याधर नगर और जामडोली में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 22 संक्रमितों का पता गलत मिला है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 272 मरीज ठीक हुए हैं।

एक और पाक जासूस गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के मामले में मुम्बई के युवक फैजल को हिरासत में लिया है। दिल्ली से मुम्बई भेजी गई 5 मोबाइल सिम इसी युवक ने ली थी और उसने सभी सिम मुम्बई से दुबई भेज दी। राजस्थान इंटेलिजेंस अब दुबई की कड़ी खंगालने में जुटी है। राजस्थान इंटेलिजेंस की पकड़ में आए भीलवाड़ा निवासी नारायणलाल गाडरी, मूलत: पाकिस्तान हाल दिल्ली निवासी भागचंद और मुम्बई से हिरासत में लिया गया फैजल एक दूसरे को जानते तक नहीं। इन तीनों को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी का हैंडलिंग अफसर टारगेट देता और ये हैंडलिंग अफसर के बताए अनुसार काम करते हैं। सूत्रों के मुताबिक भीलवाड़ा निवासी गाडरी को दिल्ली की एक ट्रेवल एजेंसी का पता बताकर पांच मोबाइल सिम पार्सल के जरिए भिजवाई। दिल्ली में भागचंद को ट्रेवल एजेंसी से सिम का पार्सल लेकर मुम्बई के पते पर भेजने का टारगेट दिया। मुम्बई में सिम पहुंचने पर फैजल को उन्हें लेकर दुबई भेजने के निर्देश दिए। तब फैजल ने सिम दुबई भिजवा दी। गौरतलब है कि राजस्थान इंटेलिजेंस ने कुछ दिन पहले जासूसी के मामले में 10 लोगों को हिरासत में लिया था।

पुजारियों को वेतन-भत्ते व सुरक्षा मिले : पाठक

जयपुर, (का.सं.)। ब्राह्मण समाज राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अंबिकाप्रकाश पाठक ने राज्य सरकार से मांग की है कि राज्य में विभिन्न स्थानों पर मंदिरों में पूजा अर्चना कर रहे पुजारियों के लिए वेतन भत्ते तय किए जाएं। इसके साथ ही पाठक ने विभिन्न कॉलोनियों की विकास समितियों के लिए गाइडलाइन भी जारी करने की मांग की है।

इसके साथ ही पुजारियों की रक्षा के लिए अलग से सेल का गठन किया जाए जो मंदिरों में जाकर समय-समय पर पुजारियों की रक्षा कर सके। इसकी जानकारी देते हुए पाठक ने बताया कि राज्य के ग्रामीण इलाकों के साथ ही शहरी इलाकों में कई मंदिर ऐसे हैं जहां पुजारी परिवार वर्षों से सेवा पूजा करते आ रहे हैं उनके लिए कोई वेतन भत्ता भी निर्धारित नहीं है। इसके कारण कई पुजारियों को तो वर्षों से अभावों में जीवन यापन करना पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में विकास समितियों के पदाधिकारी पुजारियों को परेशान कर रहे हैं। मुरलीपुरा की शंकर विहार कॉलोनी में हाल ही पुजारी गिर्राज ने विकास समिति के पदाधिकारियों से परेशान होकर आत्मदाह कर लिया। इस घटना के बाद पूरा ब्राह्ण समाज आंदोलित है और पुजारी गिर्राज के लिए न्याय मांग रहा है। इससे पहले करौली जिले के सपोटर के निकट एक

- **विभिन्न कॉलोनियों की विकास समितियों के लिए गाइडलाइन भी जारी करने की मांग**

गांव में पुजारी ने ग्रामीणों से परेशान होकर आत्मदाह कर लिय था। ये घटनाएं तो बानगी भर है जबकि हकीकत इससे भी अधिक डराने वाली है। मंदिर माफी की जमीन के लिए पुजारियों को परेशान किया जा रह है और आए दिन उन पर हमले हो रहे हैं। वहीं शहरों में भी मंदिरों में पुजारियों को पर्याप्त सम्मान नहीं मिल रहा है और कॉलोनी की विकास समिति के लोग पुजारियों को परेशान कर रहे हैं।

"महिला निधि" का शुभारम्भ 26 को

जयपुर, (का.सं.)। महिला समानता दिवस (26 अगस्त, शुक्रवार) के अवसर पर होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री अषोक गहलोत स्वयं सहायता समूह सदस्यों की प्रथम महिला निधि "राजस्थान महिला निधि कॉपरेटिव क्रेडिट फैडरेशन" का लोकार्पण करेंगे।

जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी, कन्वेशन हॉल में प्रात: 12 बजे से पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री रमेश चन्द मीना की उपस्थिति में होने वाले इस समारोह में स्वयं सहायता समूह एवं विभिन्न योजनाओ से लाभान्वित 10,000 महिलाएं शामिल होंगी। साथ ही कई वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की प्रमुख शासन सचिव अपर्णा अरोरा ने एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।

चोरी की बाइक के साथ बदमाश पकड़ा

जयपुर। चित्रकूट थाना पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। एसीपी (वैशाली नगर) आलोक कुमार सैनी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित आंनद सिंह बिसाउ जिला झुंझुनु हाल हाथोज का रहने वाला है। उसके कब्जे से एक चोरी की बाइक बरामद की है।

पार्क में किशोरी से दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। गलता गेट इलाके में एक किशोरी से पार्क में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। थानाधिकारी मुकेश खरड़िया ने बताया इलाके निवासी व्यक्ति ने रिपोर्ट दी है। आरोप है 21 अगस्त की रात करीब 3 बजे हारून उसकी 16 वर्षीया बेटी को ग्रीन वैली पार्क ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। उधर मुहाना थाने में 30 वर्षीया महिला ने परिचित सुमन कुमार के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि युवक उसे केसर चौराहे पर ले गया, जहां एक कमरे में उसके साथ दुष्कर्म किया।

सौरभ जैन ने 24 घंटे की नॉन स्टॉप स्पीच देकर बनाया कीर्तिमान

जयपुर, (का.सं.)। मोटिवेशनल गुरु सौरभ जैन ने बिना खाए-पिए और न बैठे, न सोए 24 घंटे की नॉन स्टॉप स्पीच देकर अपना ही 16 घंटे 18 मिनट का विश्व कीर्तिमान तोड़ नया विश्व कीर्तिमान बनाया। गौरतलब है कि जयपुर लर्निंग फेस्टिवल का यह महाकुंभ यहां बिड़ला सभागार में 21 अगस्त को प्रात: 9 बजे शुरू हुआ जो अगले दिन 22 अगस्त को प्रात: 9 बजे तक जारी रहा। इस दौरान मोटिवेशनल गुरु सौरभ जैन

- **जयपुर लर्निंग फेस्टिवल का समापन**

ने दैनिक जीवन से जुड़े प्रासंगिक विषयों पर अपनी स्पीच अविरल रखते हुए नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया।

आजादी का अमृत महोत्सव में हुए महाकुंभ में सात विश्व कीर्तिमान बने। इनमें व्यक्तित्व विकास और जीवन कौशल प्रबंधन पर 24 घंटे बिना रुके भाषण, सिंगल इवेंट फेसबुक पर 3000 से अधिक लोगों की तरफ से लाइव, यू ट्यूब और फेस बुक पर 24 घंटे से अधिक समय तक लाइव, 500 से अधिक संगठनों ने आयोजन का समर्थन किया, 150 से अधिक प्रतिभागी सौरभ

सौरभ जैन (दायें से दूसरे)।

जैन के भाषण को 8 घंटे से अधिक समय तक सुनते रहे, सौरभ जैन वक्ता ने अपने भाषण के दौरान बिना किसी नोट की सहायता के 300 से अधिक कहानियां, उपाख्यान साझा किए, इसके अलावा गूगल व्यापार पृष्ठ पर केवल 24 घंटों में 2000 से अधिक लोगों ने रेटिंग प्राप्त की जैसे कीर्तिमान भी बने। सौरभ जैन ने टाइम मैनेजमेंट, इमोशनल इंटेलिजेंस, डिसिजन मेकिंग, कम्युनिकेशन स्किल, स्ट्रेस मैनेजमेंट, बेस्ट यूज़ ऑफ ब्रेन, मेमोरी इम्प्रूवमेंट, पॉजिटिव थिंकिंग व ऐटिट्यूड, लीडरशिप, करियर प्लानिंग, रिलेशनशिप, कॉन्फिडेंस, सोशल मिथ्स आदि 50 अधिक जीवन के महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी स्पीच कवर की। इस दौरान सौरभ जैन ने स्टेज पर 5-6 मीटर के दायरे में खड़े रह कर ही स्पीच दी। इस दौरान 40 घंटे तक खाने- पीने का पूर्णत: त्याग रहा। धारा प्रवाह, आवाज, गति एवं ऊर्जा स्पीच की शुरुआत से अंत तक बनी रही।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एआरएल इन्फोटेक लिमिटेड के प्रवर्तक नंद किशोर पहाड़िया, शांता देवी पहाड़िया, प्रमोद पहाड़िया, नीना पहाड़िया पदम कासलीवाल, नीता कासलीवाल एवं सुनीता जैन, चक्रेश जैन एवं चेतना जैन मौजूद रहे। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी राजकुमार बैद ने बताया कि कार्यक्रम में सौरभ के साथ 150 से अधिक व्यक्तियों ने 8 घंटे से अधिक एवं महेंद्र गिरधरवाल ने 24 घंटे तक लगातार स्पीच सुनकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया।

आईएएस यज्ञमित्र सिंह देव से बदसलूकी मामले की न्यायिक जांच में दोषी तीनों पार्षद बर्खास्त

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम जयपुर के पूर्व आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ बदसलूकी मामले की न्यायिक जांच में दोषी पाए गए तीन पार्षदों अजय सिंह चौहान, पारस जैन और शंकर शर्मा को बर्खास्त कर दिया है। साथ ही तीनों पार्षदों पर 6 साल तक चुनाव लड़ने का प्रतिबंध भी लगाया है। इस संबंध में स्वायत्त शासन निदेशक ह्रदयेश शर्मा ने सोमवार को आदेश जारी किया है।

सूत्रों की मानें तो 10 अगस्त 2022 को पूरी हुई न्यायिक जांच में ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर भी दोषी मिली है, लेकिन उनके खिलाफ कार्रवाई से पहले राज्य सरकार विधिक राय ले रही है। क्योंकि निलंबन के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सौम्या गुर्जर ने पुन: कुर्सी संभाली थी। ऐसे में राज्य सरकार की जमकर किरकरी हुई थी। इस बार यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल से लेकर पूरा महकमा जल्दबाजी में ऐसा कोई आदेश जारी नहीं करना चाहता, जिसे लेकर बाद में दुबारा फजीहत हो।

ज्ञात रहे कि 4 जून 2021 को सफाई की वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर महापौर सौम्या गुर्जर के दफ्तर में हुई बैठक में यज्ञमित्र सिंह देव से बदसलूकी का

- **स्वायत्त शासन निदेशक ने बर्खास्तगी के आदेश में तीनों पार्षदों पर 6 साल तक चुनाव लड़ने का प्रतिबंध भी लगाया**

मामला सामने आया था। बैठक को बीच में छोड़कर बाहर निकले तत्कालीन निगम कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह ने पार्षद अजय सिंह चौहान, पारस जैन और शंकर शर्मा पर महापौर सौम्या गुर्जर की शह से बदसलूकी किये जाने का आरोप लगाया था और राज्य सरकार को शिकायत की थी। यहां तक कि खुद के लिए पुलिस सुरक्षा भी मांगी थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने 6 जून 2021 को आदेश देकर सौम्या गुर्जर के साथ-साथ पार्षद अजय सिंह चौहान, पारस जैन और शंकर शर्मा को निलंबित कर दिया था। साथ ही न्यायिक जांच भी शुरू कर दी थी। 7 जून को शील धाभाई को कार्यवाहक महापौर बनाया था। इसके बाद सौम्या गुर्जर राज्य सरकार के निलंबन आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची और वहां से मिले स्टे के आधार पर पुन: आकर महापौर की कुर्सी पर काबिज हुई थी। सौम्या गुर्जर को स्टे मिलने के कारण राज्य सरकार की जमकर किरकिरी हुई थी।

आईएएस यज्ञमित्र सिंह के साथ सौम्या गुर्जर व तीनों पार्षदों के इस विवाद की न्यायिक जांच करीब 14 महीने बीतने बाद 10 अगस्त 2022 को पूरी हुई। इसके बाद से तीनों पार्षद लगातार स्वायत्त शासन मुख्यालय में धरना देकर न्यायिक जांच की रिपोर्ट मांग रहे थे। इसी बीच राज्य सरकार ने पहले तो हाईकोर्ट में चल रहे कैवियट दायर की और सोमवार को स्वायत्त शासन निदेशक ह्रदयेश शर्मा ने आदेश जारी कर वार्ड 39 के पार्षद अजय सिंह चौहान, वार्ड 72 के पार्षद पारस जैन और वार्ड 103 के पार्षद शंकर शर्मा को बर्खास्त कर दिया। चर्चा है कि महापौर सौम्या गुर्जर के खिलाफ कार्रवाई से पहले राज्य सरकार अतिरिक्त महाधिवक्ता से राय ले रही है। इस राय के आधार पर ही आगे कदम उठाया जायेगा। माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट में न्यायिक जांच की रिपोर्ट पेश करने के बाद ही राज्य सरकार सौम्या गुर्जर पर कोई एक्शन लेगी।